गुप्त साम्राज्य का इतिहास

स्वामी विवेकानंद गर्ल्स कॉलेज, रूपनगढ़

विषय

इतिहास

कक्षा

बी.ए. प्रथम सेमेस्टर

व्याख्याता

श्री अमित कुमार

Made with GAMMA

गुप्त साम्राज्य का परिचय

गुप्त साम्राज्य (लगभग **320–550 ई.**) भारतीय इतिहास का सबसे गौरवशाली काल माना जाता है। इसे **भारत का स्वर्ण युग** कहा जाता है।

- उत्तर भारत में केंद्रित विशाल साम्राज्य
- कला, विज्ञान और साहित्य की अभूतपूर्व प्रगति
- सुदृढ़ प्रशासन और समृद्ध व्यापार
- हिंदू और बौद्ध संस्कृति का सह-अस्तित्व

🗓️ काल

320 ई. – 550 ई.

🏛️ राजधानी

पाटलिपुत्र (पटना)

🌍 विस्तार

उत्तर से दक्षिण भारत तक

अध्याय 1

गुप्त वंश की उत्पत्ति एवं स्थापना

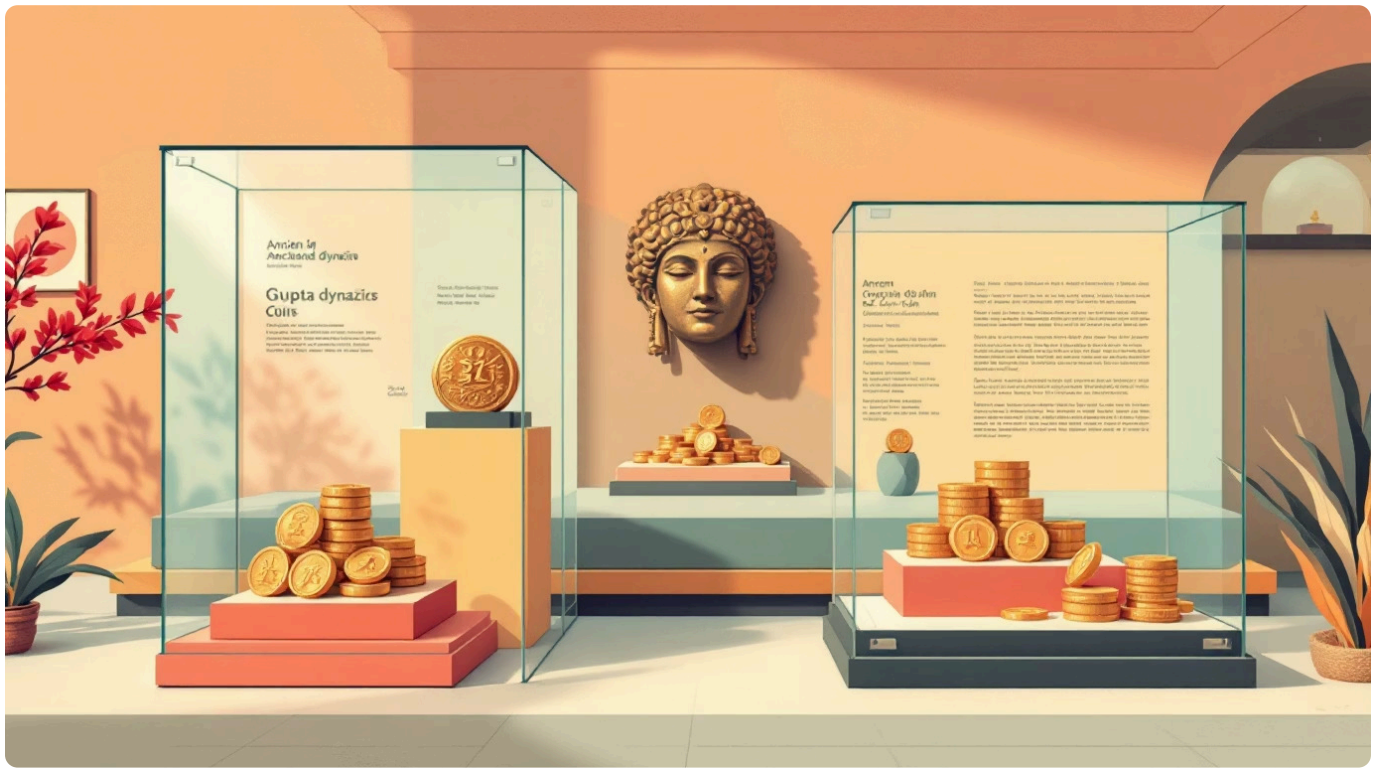

गुप्त वंश की नींव **श्री गुप्त** ने तीसरी शताब्दी ई. में रखी थी।

- **श्री गुप्त** – वंश के आदि संस्थापक, मगध क्षेत्र में शासन
- **घटोत्कच गुप्त** – द्वितीय शासक, साम्राज्य विस्तार का प्रयास
- **चंद्रगुप्त प्रथम (320 ई.)** – वास्तविक साम्राज्य की स्थापना
- लिच्छवि राजकुमारी **कुमारदेवी** से विवाह द्वारा राजनीतिक शक्ति में वृद्धि
- **महाराजाधिराज** की उपाधि धारण की

Made with GAMMA

अध्याय 2

समुद्रगुप्त — विजेता और प्रशासक

दक्षिण विजय

12 दक्षिणी राज्यों को पराजित किया

उत्तर विजय

9 उत्तरी राज्यों को साम्राज्य में मिलाया

कला-प्रेमी

कविराज और वीणावादक के रूप में प्रसिद्ध

अश्वमेध यज्ञ

सार्वभौम सत्ता की घोषणा हेतु यज्ञ किया

Made with GAMMA

अध्याय 3

चंद्रगुप्त द्वितीय — विक्रमादित्य

चंद्रगुप्त द्वितीय (375–415 ई.) को **विक्रमादित्य** की उपाधि मिली। उनके काल में गुप्त साम्राज्य अपनी चरम सीमा पर पहुँचा।

- **शकों** को पराजित कर पश्चिमी भारत पर अधिकार
- साम्राज्य का विस्तार **अरब सागर** तक
- **नवरत्न** — नौ विद्वान उनके दरबार में
- चीनी यात्री **फाह्यान** का भारत आगमन इसी काल में
- स्वर्ण मुद्राओं का व्यापक प्रचलन

Made with GAMMA

अध्याय 4

गुप्त काल की प्रशासनिक एवं आर्थिक व्यवस्था

🏛️ प्रशासनिक व्यवस्था

- राजा सर्वोच्च — **महाराजाधिराज** उपाधि
- साम्राज्य **प्रांतों (भुक्ति)** में विभाजित
- प्रांत → **जिले (विषय)** → **ग्राम**
- स्थानीय स्वशासन को प्रोत्साहन

💰 आर्थिक व्यवस्था

- **कृषि** आर्थिक आधार — भूमि कर प्रमुख
- रेशम, मसाले, सोने का **विदेश व्यापार**
- **रोम और चीन** से व्यापारिक संबंध
- स्वर्ण मुद्राएँ (**दीनार**) का प्रचलन

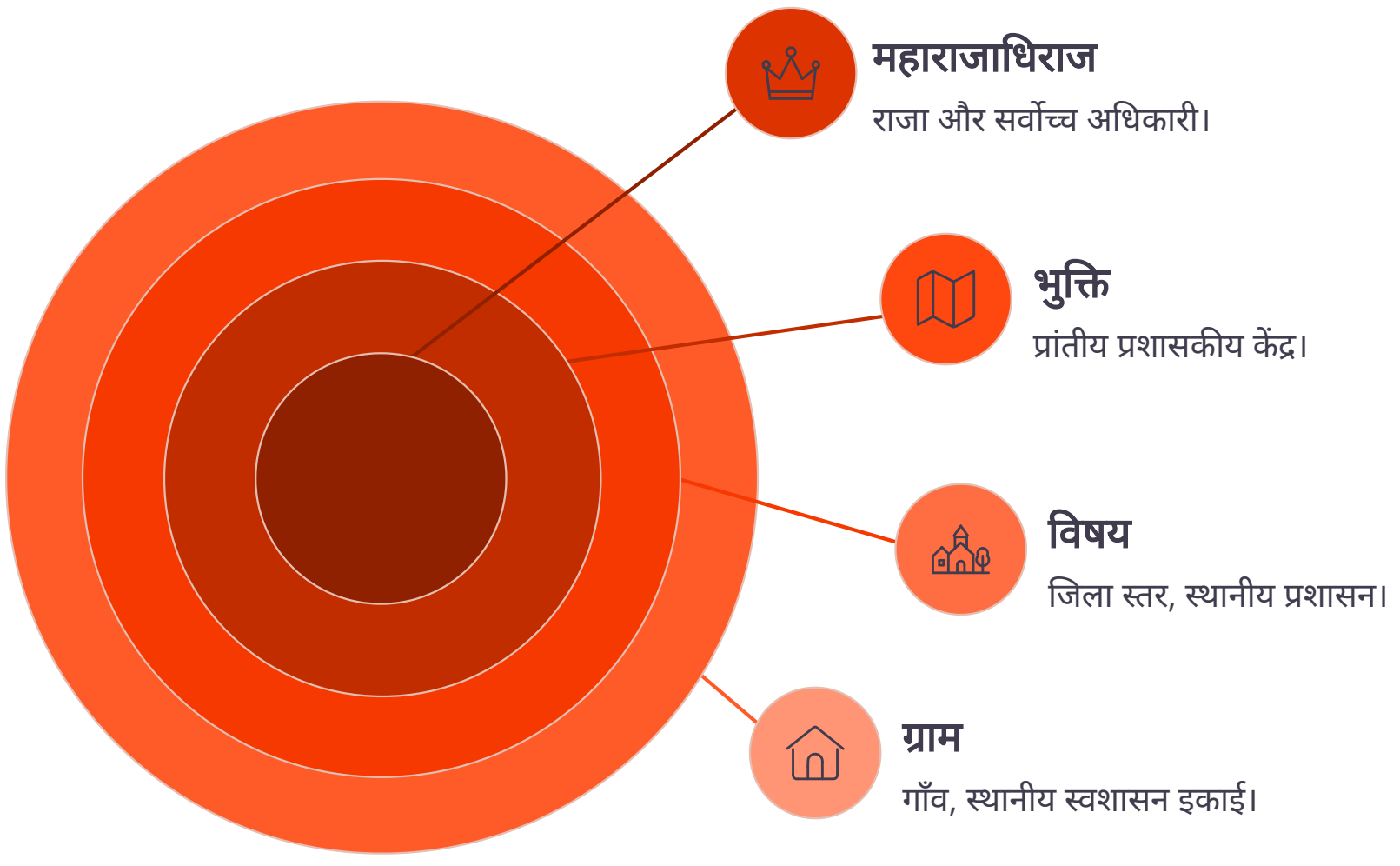

गुप्त प्रशासन विकेंद्रीकृत था — ग्राम स्तर तक स्वायत्तता दी गई थी, जो इसे अत्यंत प्रभावशाली बनाती थी।

Made with GAMMA

गुप्त काल की सामाजिक एवं धार्मिक स्थिति

👫 सामाजिक वर्ग

वर्ण व्यवस्था प्रचलित — ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र। जाति प्रथा कठोर होने लगी।

🙏 धर्म

हिंदू धर्म का पुनरुत्थान। वैष्णव और शैव मत लोकप्रिय। बौद्ध व जैन धर्म भी फले-फूले।

👩 महिलाओं की स्थिति

उच्च वर्ग की महिलाओं को शिक्षा का अधिकार। **सती प्रथा** के प्रमाण मिलते हैं।

🛕 मंदिर निर्माण

पाषाण मंदिरों का निर्माण आरंभ। **देवगढ़** और **भितरगाँव** मंदिर प्रसिद्ध।

Made with GAMMA

स्वर्ण युग

गुप्त काल में कला, साहित्य एवं विज्ञान

कालिदास

संस्कृत के महाकवि — **अभिज्ञानशाकुन्तलम्**, मेघदूत, रघुवंश जैसी अमर कृतियाँ

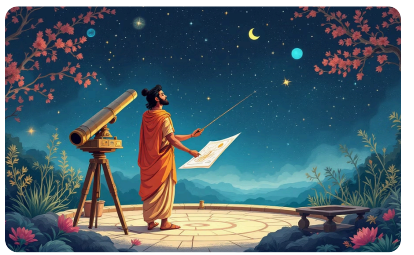

आर्यभट्ट

महान गणितज्ञ — **शून्य** की अवधारणा, पृथ्वी गोल है — यह सिद्ध किया। **आर्यभटीय** ग्रंथ की रचना

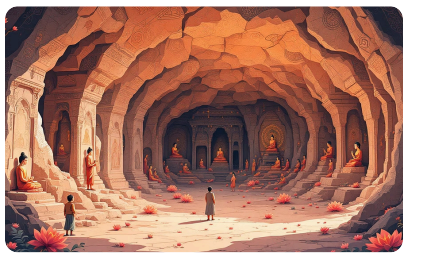

अजंता-एलोरा चित्रकला

गुप्त काल की **भित्तिचित्र शैली** विश्वप्रसिद्ध। रंग, भाव और सौंदर्य की अद्भुत अभिव्यक्ति

Made with GAMMA

अध्याय 5

गुप्त साम्राज्य के पतन के कारण

पाँचवीं-छठी शताब्दी तक गुप्त साम्राज्य धीरे-धीरे **कमज़ोर पड़ने लगा**। इसके प्रमुख कारण:

- **हूण आक्रमण** — तोरमाण और मिहिरकुल के नेतृत्व में विनाशकारी आक्रमण
- **उत्तराधिकार संघर्ष** — केंद्रीय शक्ति का ह्रास
- **봉건प्रवृत्ति** — सामंतों की बढ़ती स्वायत्तता
- **आर्थिक संकट** — विदेश व्यापार में गिरावट
- **प्रशासनिक शिथिलता** — दुर्बल उत्तराधिकारी

Made with GAMMA

गुप्त काल — भारत का स्वर्ण युग

320

स्थापना वर्ष

चंद्रगुप्त प्रथम द्वारा (ई.)

230+

वर्षों का शासन

भारतीय इतिहास का दीर्घतम साम्राज्य

9

नवरत्न

दरबार के विद्वान और कलाकार

550

पतन वर्ष

हूण आक्रमणों के बाद (ई.)

निष्कर्ष: गुप्त काल ने भारत को कला, साहित्य, विज्ञान और शासन में जो विरासत दी, वह आज भी अमर है। यही कारण है कि इसे **भारतीय इतिहास का स्वर्ण युग** कहा जाता है। — *श्री अमित कुमार, स्वामी विवेकानंद गर्ल्स कॉलेज, रूपनगढ़*